Geography Part-III By:- Abhishek Kumar.

R.N. College Hajipur.

11/07/2020

भारत में सिंचाई

Q. भारत में सिंचाई साधनों का वर्णन करें

(A) परिचय
(B) सिंचाई की आवश्यकता
(C) सिंचाई के साधन

(A) परिचय :-

कृषि के लिए अन्य बातों के साथ-साथ जल भी आवश्यक है। वर्षा का जल प्राकृतिक रूप से कृषि के लिए उपलब्ध हो जाता है लेकिन वर्षा नहीं होने पर सिंचाई के लिए कृत्रिम रूप से खेतों तक जल पहुँचाने की क्रिया को सिंचाई कहते हैं।

(B) सिंचाई की आवश्यकता :-

भारत की मानसून विशेषता यहाँ की वर्षा इस प्रकार की है कि कृषि को सफल बनाने के लिए सिंचाई की आवश्यकता होती है। सिंचाई के महत्व तथा आवश्यकताएँ की विशेषताएँ निम्न प्रकार है —

(i) मानसून की अनिश्चितता :—

मानसून वर्षा अपने निश्चित समय पर नहीं होती है। यह दस वर्ष में केवल दो वर्ष ही अपने सही समय पर आती है जिसके फलस्वरूप सिंचाई की आवश्यकता होती है।

(ii) वर्षा की अनियमितता :—

वर्षा अपने नियमित मात्रा से काफी कम तो कभी ज्यादा होती है जिसके कारण बाढ़ या सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, सूखे की स्थिति में सिंचाई की आवश्यकता होती है।

(iii) मानसून की विभंगता :—

मानसूनी पवनें निरंतर वर्षा नहीं कराती जिसके फलस्वरूप कृषि को सफल करने हेतु सिंचाई की आवश्यकता ~~पड़ती~~ है।

(iv) वर्षा की सीमित अवधि :—

भारत में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून द्वारा तीन-चौथाई वर्षा होती है, ग्रीष्म काल में तीन-चार महीनों में केवल वर्षा होती है शेष मास शुष्क रहता है। जिसके कारण सिंचाई की आवश्यकता होती है।

(c) सिंचाई के साधन

यद्यपि भारत के मॉनसून की अनिश्चितता, अनियमितता आदि को देखते हुए सिंचाई के साधन भी विभिन्न प्रकार के हैं जिसे निम्न आरेख द्वारा देखा जा सकता है -

सिंचाई के साधन

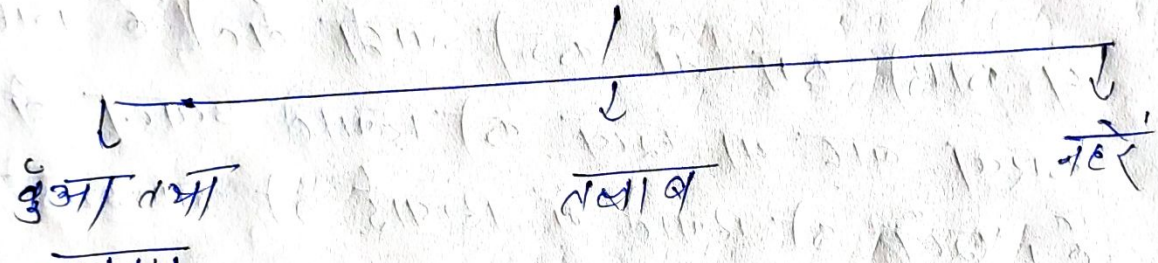

- कुँआ तथा नलकूप
- तालाब
- नहरें

कुँआ तथा नलकूप

भू-तल के नीचे अपार जलराशि संचित है जिसका प्रयोग कुँआ तथा नलकूप द्वारा की जाती है। भारत के अधिकांश भाग के अपार जलराशि संचित है। भारत के कुल सिंचित भूमि का 46% कुँआ द्वारा सींचा जाता है।

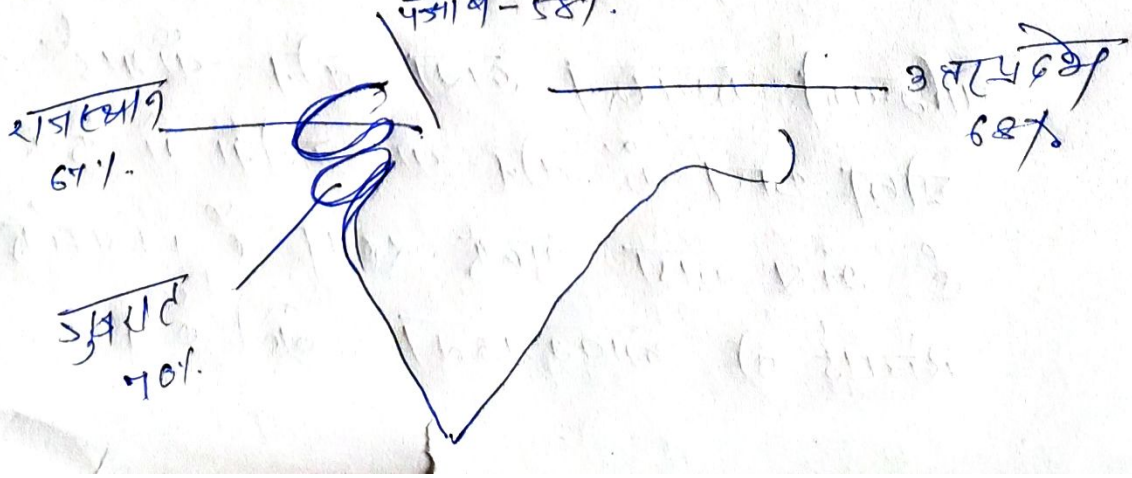

कुँआ तथा नलकूप सिंचाई के लाभ :-

(i) इसमें पानी के अति क्षति को बचाया जा सकता है

(ii) गरीब किसानों के लिए अच्छा साधन

(iii) किसानों का इससे भावनात्मक लगाव

2. तालाब

भू-भाग का वह निम्न भाग, जो वर्षा के जल से भर जाये तालाब कहलाता है। भारत के कुल सिंचित भूमि का 3.52% तालाब द्वारा सिंचा जाता है। यह मुख्य रूप से तमिलनाडु, दक्षिणी पठार में पाये जाते हैं इसे निम्न आरेख द्वारा देखा जा सकता है

तालाब सिंचाई के लाभ :-

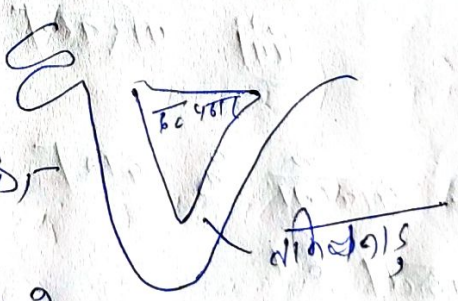

(i) वर्षा जल का समुचित उपयोग

(ii) जल की बर्बादी न होना

(iii) इसका निर्माण प्राकृतिक रूप से किया जाना

3. नहरें

भारत सिंचाई साधन में नहरें प्रमुख है। भारत के 39% भू-भाग नहरें द्वारा सिंचा जाता है। यह मुख्य रूप से कर्नाटक आदि में स्थित है। यह दो प्रकार की होती है—

(i) नियमित

(ii) अनियमित

(i) नियमित :-

वह नहरे जो उन नदियों से निकाली जाती हैं जिनमें जल सदा प्रवाहित होते हैं।

(ii) अनियमित नहरें :-

अनियमित नहरों में वर्षा के कारण बाढ़ आने पर इसमें पानी भरता है जिसके कारण वर्ष में केवल एक फसल उगाई जा सकती है।

नहरें सिंचाई के लाभ :-

(i) कृषकों के लिए सस्ता साधन

(ii) सिंचाई के साथ-साथ पेयजल की उपलब्धता

(iii) परिवहन की सुविधा

उपर्युक्त साधनों के द्वारा सिंचाई की कमी को दूर किया जा सकता है।